(घ) उक्त भूमि के सौदे में शामिल दोषी लोगों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) दिल्ली में ऐसे मामलों की संख्या कितनी है जो सरकार के ध्यान में आये हैं तथा उन पर क्या कार्यवाही की जा रही है?

शहरी विकास मंत्री (श्री मुरासोली मारन) : (क) जी, हां।

(ख) से (घ) उपर्युक्त (क) में बताई गई स्थिति को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता। तथापि, दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूचित किया है कि इसकी भूमि पर अतिक्रमण करने के कई बार प्रयास किये गये हैं तथा अतिक्रमणों को हटाने के लिये क्रमशः 16-1-88, 5-6-88 तथा 16-1-90 को तीन बार कार्रवाई की गई थी तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहण की गई भूमि पर सभी नये एवं हो रहे अतिक्रमण/अनधिकृत निर्माण को हटाया गया था। इसके अतिरिक्त, दिल्ली विकास प्राधिकरण ने 28 वेइमान व्यक्तियों के विरुद्ध 8 प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मुख्य सड़क पर चाहरदिवारी का निर्माण किया गया है। दिल्ली विकास प्राधिकरण के मुख्य भूमि स्थलों की सुरक्षा के लिए भूतपूर्व सैनिक/सुरक्षा गार्ड/पर्यवेक्षक नियुक्त किये गये हैं।

(ङ) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूचित किया है कि जसोला में दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहण की गई भूमि पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण/अनधिकृत निर्माण का एक और मामला था जहां बारम्बार गिराने की कार्यवाही करने के पश्चात् अक्तूबर, 1989 में लगभग 41.7 एकड़ भूमि पुनः प्राप्त की जा सकी।

कृषि उत्पादन की विकास दर में कमी आना

501. **श्री राम जेठमलानी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 27 फरवरी, 1990 के "हिन्दू" में "डिक्लाइन इन एग्रीकल्चरल प्रोडक्शन ग्रोथ रेट" नामक शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस दिशा में क्या सुधारात्मक कदम उठाये गये हैं?

उप-प्रधान मंत्री और कृषि मंत्री (श्री देवी लाल) : (क) जी, हां।

(ख) पूर्व हरित क्रांति के दौरान सभी मुख्य फसलों की अखिल भारतीय उत्पादन वृद्धि दर अधिक रही थी, यह मुख्यतः क्षेत्र विस्तार के कारण हुआ। हरित क्रांति के बाद की अवधि के दौरान यद्यपि क्षेत्र वृद्धि की दर में कमी आई है, तथापि उपज स्तर की वृद्धि अधिक रही है। वास्तव में, चावल, गेहूं, खाद्य अन्न तथा सभी फसलों का उत्पादन और उनकी उत्पादकता वर्ष 1988-89 के दौरान अभी तक प्राप्त सबसे अधिक रही है।

(ग) कृषि उत्पादन में और अधिक वृद्धि किए जाने की दृष्टि से सरकार द्वारा विभिन्न कदम उठाये गये हैं। इनमें निम्नांकित शामिल हैं :—

(1) सिंचाई सुविधाओं का विस्तार

(2) प्रति इकाई क्षेत्र में उर्वरक की खपत में वृद्धि।

(3) फसलों को अधिक उपज देने वाली बौना तथा संकर किस्मों के अंतर्गत समाहित क्षेत्र का विस्तार;